ART INTEGRATED LEARNING (AIL)

The National Curriculum Framework 2005 states, "Aesthetic sensibility and experience being the prime sites of the growing child's creativity, **we must bring the arts squarely into the domain of the curricular,** infusing them in all areas of learning while giving them an identity of their own at relevant stages. Therefore, the need to **integrate art education in the formal schooling** of our students now requires urgent attention if we are to retain our unique cultural identity in all its diversity and richness."

Art Integrated Learning (AIL) is a creative teaching-learning approach through which students demonstrate their understanding of a concept through various art forms.

AIL broadens the mind of the student and enables her/him to see the multi-disciplinary links between subjects/topics/real life.

The objectives of AIL are to help children:

- Experience joy and eagerness to learn.
- Discover concepts of Mathematics and Science in the world around them.
- Enhance observation, curiosity, exploration and creative and free expression.
- Explore and understand body movement and coordination.
- Foster an inquisitive attitude towards learning and knowledge.
- Understand and regulate their emotions.
- Promote teamwork and mutual appreciation.
- Enhance communication skills, language skills and problem solving skills.
- Learn inclusive practices of respect, care, empathy and compassion.
- Create awareness of rich heritage and cultural diversity.

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 1

पाठ 6: नानी की नाव चली

1. **रचनात्मक कोना:** बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और चित्र के नीचे उसका नाम लिखिए। चित्र में सुंदर रंग भी भरिए। **(पेज 45)**

पाठ 7: शेर और सियार

1. **रचनात्मक कोना:** जंगल में रहने वाले दस जानवरों के नाम लिखिए। **(पेज 51)**
2. पता कीजिए–

   (क) शेर क्या खाता है? (ख) ऊँट क्या खाता है? **(पेज 51)**

पाठ 8: बालक का साहस

1. **रचनात्मक कोना:** अध्यापिका से पता कीजिए कि–

   (क) सरदार पटेल का जन्म कहाँ हुआ था? (ख) सरदार पटेल कब पैदा हुए थे?

   (ग) सरदार पटेल की मृत्यु कब ही थी? **(पेज 57)**
2. सरदार पटेल का चित्र यहाँ पर चिपकाइए– **(पेज 57)**

पाठ 10: रानी बिटिया

1. **रचनात्मक कोना:** अपने माता-पिता या अभिभावक से पता कीजिए कि ये शहर किस राज्य में स्थित हैं–

   (क) चंडीगढ़ (ख) जयपुर **(पेज 67)**

पाठ 11: पछतावा

1. **रचनात्मक कोना:** किसान क्या-क्या काम करते हैं? पता करके लिखिए। **(पेज 72)**

पाठ 12: ऐसे थे विद्यासागर

1. **रचनात्मक कोना:** तुम अपनी माँ से पैसे माँगते हो या नहीं? यदि माँगते हो तो उन पैसों का क्या करते हो? कक्षा में बताइए। **(पेज 78)**
2. पढ़-लिखकर तुम क्या बनना चाहते हो? अपनी अध्यापिका को बताइए। **(पेज 78)**

पाठ 14: कौन सिखाता है

1. **रचनात्मक कोना:** इस कविता को याद कीजिए। **(पेज 87)**
2. चिड़िया के चित्र में रंग भरिए– **(पेज 87)**

पाठ 15: मूषक सेठ

1. **रचनात्मक कोना:** तुम दुकानों से क्या-क्या चीज़ें खरीद सकते हो? किन्हीं दस चीज़ों की सूची बनाइए। **(पेज 93)**
2. चूहे का चित्र बनाइए तथा उसमें रंग भरिए– **(पेज 93)**

पाठ 16: भारत-दर्शन – आगरा की सैर

1. **रचनात्मक कोना:** ताजमहल और बुलंद दरवाज़ा के चित्र अपनी कॉपी में चिपकाइए। **(पेज 98)**
2. आरुषि को मामा का पत्र मिला। अब वह अपने मम्मी-पापा से आगरा चलने के लिए कहती है। कक्षा में तीन बच्चे इसे वार्तालाप के रूप में प्रस्तुत करें। **(पेज 93)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 1

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: वर्ण बोध

1. **अध्यापन संकेतः** पाठ में दिए चित्रों के नामों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ।। अपने साथ-साथ बच्चों को भी दोहराने को कहें। फिर चित्रों के साथ दिए उनके नामों के रंगीन वर्णों पर ध्यान दिलाते हुए एक-एक कर प्रत्येक बच्चे से शब्द के पहले वर्ण का उच्चारण करवाते हुए वर्ण की पहचान करवाएँ। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। प्रत्येक वर्ण से बनने वाले अन्य शब्दों के बारे में बच्चों से पूछें एवं बताएँ। जैसे – अ से अनार होता है, अ से अदरक, अ से अजगर, अचकन आदि भी होता है। इससे रोचकता के साथ-साथ बच्चों का वर्णों तथा उनसे बने शब्दों का सहज ही अभ्यास हो जाएगा। हिंदी की वर्णमाला से बच्चों को परिचित करवाएँ। उन्हें स्वरों, व्यंजनों तथा संयुक्त व्यंजनों का उच्चारण करवाते हुए पुनराभ्यास करवाएँ। उच्चारण के साथ-साथ बच्चों को अपनी-अपनी पुस्तिका में इन वर्णों को लिखने को कहें। इससे उच्चारण और लेखन का अभ्यास एक साथ होता जाएगा। बच्चों द्वारा अं अः तथा ड़ ढ के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 6)**

पाठ 2: शब्द बोध

1. **अध्यापन संकेतः** बच्चों को दो वर्णों वाले, तीन वर्णों वाले तथा चार वर्णों वाले शब्द उच्च स्वर में पढ़ने को कहें। प्रत्येक बच्चे को उच्चारण का अवसर दें तथा बच्चों को वर्ण मिला-मिलाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करें। वर्णों के अभ्यास के लिए पाठ में दी गई छोटी-छोटी पंक्तियाँ पहले स्वयं पढ़ें फिर बच्चों को अपने साथ दोहराने को कहें। शब्दों से जुड़ी भिन्न-भिन्न गतिविधियाँ भी करवाई जा सकती हैं। प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें कि उसे शब्द पढ़ने में कठिनाई तो नहीं हो रही है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 7)**

पाठ 3: मात्रा बोध

1. **अध्यापन संकेतः आ की मात्रा (ा)**

   बच्चों को बताएँ कि 'अ' स्वर की मात्रा नहीं होती, शेष सभी स्वरों की मात्रा होती है। उन्हें बताएँ, प्रत्येक व्यंजन में स्वर मिला होता है, जैसे – क् + अ = क, ख् + अ = ख आदि। 'आ' की मात्रा का ज्ञान करवाने के लिए उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर शब्द लिखते जाएँ। जैसे – आ से आम, आ से आग आदि। फिर बच्चों को 'आ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बताएँ कि यह वर्ण के बाद खड़ी पाई की तरह लगाई जाती है। 'आ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए चित्रों की पहचान कराकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – अनार, ताला। अब दिए गए 'आ' की मात्रा के शब्दों का उच्चारण उच्च स्वर में अपने साथ-साथ करवाएँ। बच्चों से इन शब्दों की दो-तीन बार दोहराई करवाएँ। 'अ' और 'आ' में अंतर स्पष्ट करने के लिए उच्चारण करवाएँ – अ-आ। शब्दों द्वारा भी अंतर स्पष्ट कीजिए–

   तल-ताला, छत-छाता, कल-काला, नल-नाला आदि। 'आ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई छोटी-सी कविता का सस्वर वाचन करें तथा फिर बच्चों से करवाएँ। कविता से संबंधित प्रश्न भी पूछ

सकते हैं। उदाहरण के लिए – आम कौन लाया? – लाला। आम कैसा था? – मीठा। आम लेने कौन-कौन आया? – रमा और राघव। आम काटकर क्या किया गया? – थाल सजाया गया। आदि प्रश्नों द्वारा रोचकता बनाई जा सकती है। बच्चों ने पाठ को कितना समझा यह जानने के लिए पाठ में दिए गए अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दीजिए। **(पेज 8)**

'इ' की मात्रा (f)

'इ' से इमली से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'इ' की मात्रा (f) से परिचित करवाएँ। पहले उन्हें 'इ' की मात्रा का सही उच्चारण करना सिखाएँ। 'इ' की मात्रा वाले वर्णों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ। उन्हें बताएँ 'इ' की मात्रा (f) वर्ण के आगे से लगाई जाती है। 'इ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए चित्रों की पहचान कराकर बच्चों से उनका नाम बताने को कहें, जैसे – किताब, चिड़िया। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। पाठ में दिए 'इ' की मात्रा (f) वाले शब्दों की बार-बार दोहराई करवाते हुए कॉपी में लिखवाएँ। 'इ' की मात्रा वाली पंक्तियों की कविता का सस्वर वाचन पहले स्वयं करें फिर अपने साथ-साथ बच्चों से करवाएँ। इससे बच्चे 'इ' की मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण भलीभाँति करना सीख पाएँगे। पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए – निधि क्या लाई? – गिटार। कौन हिलमिल गया? – हिरण। तिनका कौन उठाकर लाया? – चिड़िया। कौन छिप गया? – सियार आदि। **(पेज 8)**

ई की मात्रा (ी)

'ई' से ईख, शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ई' की मात्रा (ी) से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि यह वर्ण के बाद में या पीछे से लगाई जाती है। बच्चों से पृष्ठ पर दिए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बताने को कहें, जैसे – घड़ी, सीटी। पाठ में दिए 'ई' की मात्रा के शब्दों का उच्चारण करते समय 'ई' की मात्रा पर विशेष बल दें तथा बच्चों से एक-दो बार दोहराई करवाएँ।

इस प्रकार बच्चे 'ई' का उच्चारण करने में अभ्यस्त हो पाएँगे। 'ई' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का लययुक्त वाचन करें, बच्चों से भी मुखर वाचन करवाएँ। पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें – नीरज क्या बजा रहा था? – सीटी। बकरी क्या खा गई? – खीरा। दादी क्या-क्या लाईं? – ककड़ी और पपीता। ककड़ी कैसी निकली–कड़वी। पपीता कैसा था? – मीठा। बच्चों द्वारा इन प्रश्नों के उत्तर देने से उन्हें 'ई' की मात्रा के शब्दों के उच्चारण का सहज ही अभ्यास हो जाएगा।

उन्हें समझाएँ कि 'इ' की मात्रा (f) वाले वर्ण का उच्चारण शीघ्रता यानी जल्दी से किया जाता है, जैसे – खिल, दिन आदि। जबकि 'ई' की मात्रा (ी) वाले वर्ण का उच्चारण खींचकर किया जाता है यानी उस वर्ण को देर तक बोला जाता है। बच्चों से दोनों मात्राओं वाले शब्दों का उच्चारण करवाएँ। जैसे – खिल-खील, दिन-दीन, तिन-तीन आदि। 'इ' और 'ई' की मात्रा बच्चों ने कितनी सीखी-समझी, इसकी परख के लिए दिए गए अभ्यास करवाएँ। बच्चों से कहें कि वे शब्दों एवं वर्णों का उच्चारण करते हुए मात्राएँ लगाकर शब्द पूरे करें। **(पेज 9)**

उ की मात्रा (ु)

'उ' से उपवन से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'उ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि 'उ' की मात्रा (ु) वर्ण के नीचे लगाई जाती है तथा केवल 'र' वर्ण में यह मात्रा बीच में लगाई जाती है। 'उ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा दाईं ओर से नीचे की ओर मुड़ते हुए बाईं ओर ऊपर जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। उन्हें बताएँ कि 'उ' की मात्रा का उच्चारण कम समय के लिए यानी जल्दी से किया जाता है। बच्चों से 'उ' की मात्रा के पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – कछुआ, बुलबुल। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'उ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों से कविता से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें – गुलाब कब खिला? – सुबह। दुकान पर कौन गया? – कुमुद। किसका पानी गिर गया? – सुराही का। गाड़ी कहाँ रुक गई? – पुल पर। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा। **(पेज 9)**

ऊ की मात्रा (ू)

'ऊ' से ऊन से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ऊ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि 'ऊ' की मात्रा (ू) वर्ण के नीचे लगाई जाती है तथा केवल 'र' वर्ण में यह मात्रा बीच में लगाई जाती है। ऊ की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा दाईं ओर नीचे से ऊपर की ओर घुमाते हुए लिखी जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। उन्हें बताएँ कि 'ऊ' की मात्रा का उच्चारण खींचकर या देर तक किया जाता है। पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – सूरज, तरबूज। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ऊ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

बच्चों से पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें – राजू क्या पहनकर आया? – जूता। चूहा क्या कुतर रहा था? – मूली। शहतूत कौन चख रहा था? – कबूतर। रूपा क्या झूल रही थी? – झूला। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा। बच्चों को 'र' में उ-ऊ की मात्रा लगाना बताएँ। जैसे 'र' में 'उ' की मात्रा ऐसे लगाई जाती है – 'रु'। 'र' में ऊ की मात्रा ऐसे लगाई जाती है – 'रू'। रु-रू का अंतर भी समझाएँ। उ-ऊ की मात्रा का अभ्यास करवाएँ।

(पेज 9)

ऋ की मात्रा (ृ)

'ऋ' से ऋषि से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ऋ' की मात्रा का प्रयोग करना सिखाएँ। 'ऋ' की मात्रा का सही उच्चारण करते हुए शब्दों को कक्षा में पढ़ें एवं बच्चों को दोहराने के लिए कहें। बच्चों को इसके शुद्ध उच्चारण करने का तरीका बताएँ। तृण, वृक्ष जैसे सरल शब्दों से 'ऋ' की मात्रा का उच्चारण शुरू करें। इसके बाद पाठ में दिए सभी शब्दों को उच्चारण के साथ-साथ कॉपी में लिखने को कहें। अभ्यास करने में आवश्यक मदद कीजिए। **(पेज 10)**

ए की मात्रा (े)

'ए' से एड़ी से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ए' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि ए की मात्रा (े) वर्ण के ऊपर लगाई जाती है। 'ए' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें कि यह मात्रा ऊपर से घुंडी की तरह मोड़ते हुए नीचे की ओर लाई जाती है। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – भेड़, केला। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ए' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों से पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें – शेर किसके नीचे लेटा था? – पेड़ के। शेर ने किसकी आवाज सुनी? – रेलगाड़ी की। शेर को कौन दिखाई दिया? – केवट। केवट क्या लेकर आ रहा था? – लालटेन। बच्चे चित्र को देखकर उत्तर देंगे। इससे बच्चों की श्रवण एवं अवलोकन क्षमता का विकास होगा। **(पेज 10)**

ऐ की मात्रा (ै)

'ऐ' से ऐनक से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ऐ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि 'ऐ' की मात्रा (ै) वर्ण के ऊपर लगाई जाती है। ऐ की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। स्पष्ट करें

कि यह 'ए' की मात्रा की तरह ही लगाई जाती है, पर इसमें एक के स्थान पर दो मात्राएँ होती हैं। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से पुस्तक में दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – मैना, थैला। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ऐ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित करें। पंक्तियों से संबंधित प्रश्न पूछें – सैनिक कैसे जा रहा था? – पैदल। भैया क्या लेकर आए? – बैलगाड़ी। पैर कौन पटक रहा था? – बैल। बैलगाड़ी से उतरकर सैनिक किसपर चढ़ गया? – नैया पर। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा। **(पेज 11)**

ओ की मात्रा (ो)

'ओ' से ओढ़नी से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'ओ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। बच्चों को बताएँ कि 'ओ' की मात्रा (ो) वर्ण के साथ खड़ी पाई के रूप में लगाई जाती है। 'ओ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – कोयल, ढोलक। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ओ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए। बच्चों से प्रश्न पूछें – पेड़ पर कौन बैठा है? – कोयल। कौन नाचने लगा? – मोर। रोटी कौन लाया? – लोमड़ी। कौन भागा? – खरगोश। **(पेज 11)**

औ की मात्रा (ौ)

'औ' से औरत से शुरुआत करते हुए बच्चों को 'औ' की मात्रा से परिचित करवाएँ। 'औ' की मात्रा की बनावट पर ध्यान दिलाएँ। बताते समय श्यामपट्ट पर मात्रा को बनाते भी जाएँ। बच्चों से पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बुलवाएँ। जैसे – कौआ, लौकी। पाठ में दिए शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। 'ओ' की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी अपने साथ वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

बच्चों से पंक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें – फौजी किसपर आया? – नौका पर। फौजी ने किसे बुलाया? – चौकीदार को। नौकर क्या लेकर आया? – चौदह पकौड़े। गौरी के मौसा जी क्या लाए? – खिलौने। इन प्रश्नों द्वारा बच्चों की श्रवण और चित्र को देखकर समझने की क्षमता का विकास होगा। **(पेज 11)**

अनुस्वार (ं)

अनुस्वार नासिक्य ध्वनि है। इसके नाम से ही स्पष्ट हो जाता है कि इसमें पहले स्वर आता है और बाद में नासिक्य व्यंजन। बच्चों को बताएँ कि अनुस्वार वर्ण के ऊपर बिंदु (ं) के रूप में लगाया जाता है। अं से अंगूर से शुरुआत करते हुए बच्चों को इसके उच्चारण तथा मात्रा से परिचित करवाएँ। पृष्ठ पर दिए चित्रों को पहचानकर उनका नाम बताने को कहें। जैसे – बंदर, पतंग। पाठ में दिए अं की मात्रा के शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

अं की मात्रा के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें तथा अपने साथ-साथ बच्चों से दोहराई करवाएँ। कविता से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें – मंदिर में क्या बज रहा था? – घंटा। पंकज ने क्या घिसा? – चंदन। पुजारी ने क्या बजाया? – शंख। तालाब में कौन तैर रहे थे? – हंस।

(पेज 12)

चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ)

चंद्रबिंदु को अनुनासिक स्वर कहते हैं। इसका उच्चारण हमेशा किसी स्वर के साथ ही होता है। बच्चों

को इसके उच्चारण से परिचित करवाने के लिए आँख, साँप, बाँसुरी शब्दों को कक्षा में बार-बार दोहराएँ।

पृष्ठ पर दिए गए शब्दों का वाचन करें तथा बच्चों से भी करवाएँ। बच्चों को प्रत्येक शब्द का उच्चारण बताते समय शुद्धता पर विशेष ध्यान दें। सभी शब्दों को दो-दो बार उच्चारण करते हुए कॉपी में लिखने को कहें। चंद्रबिंदु की मात्रा (– ँ) के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियों का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से करवाएँ। कविता से संबंधित प्रश्न पूछें – बाग में क्या उड़ रही थीं? – तितलियाँ। पेड़ पर कौन बैठा था? – चिड़ियाँ। ऊँट क्या हिला रहा था? – पूँछ। कौन हँस रहा था? – लड़कियाँ। बच्चों को अनुस्वार (– ं) तथा चंद्रबिंदु की मात्रा (– ँ) के अभ्यास करवाएँ। **(पेज 12)**

विसर्ग की मात्रा (:)

बच्चों को विसर्ग (:) की जानकारी दें। दिए गए शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ें तथा बच्चों से पढ़वाएँ।

बच्चों को यह बताएँ कि विसर्ग (:) का उच्चारण 'ह' के समान होता है। विसर्ग (:) के अभ्यास के लिए दी गई पंक्तियाँ पढ़ें तथा बच्चों से दोहराई करवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 13)**

पाठ 4: संयुक्ताक्षर

1. **अध्यापन संकेत: समान वर्ण वाले संयुक्ताक्षर**

   बच्चों को समान वर्ण यानी एक ही वर्ण के संयुक्त रूप से बनने वाले शब्दों के बारे में बताएँ। पाठ में दिए चित्रों की पहचान कराकर उनका नाम बताने को कहें। जैसे – पत्ता, गुब्बारा, भुट्टा। समान वर्ण वाले शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

   असमान वर्ण वाले संयुक्ताक्षर

   बच्चों को असमान वर्ण यानी अलग-अलग वर्णों के संयुक्त रूप से बने शब्दों के बारे में बताएँ। पाठ में दिए चित्रों की पहचान कराकर शब्दों के नाम बुलवाएँ। जैसे – पुस्तक, मक्खी, पुष्प। पाठ में दिए असमान वर्णों वाले संयुक्ताक्षरों का उच्चारण करवाएँ।

   अन्य संयुक्ताक्षर

   बच्चे को रेफ़ (– र्) तथा पदेन (्र/ ्र) के बारे में संक्षिप्त रूप से समझाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 13)**

पाठ 5: इतने खाए खरबूज़े

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 14)**

पाठ 6: नानी की नाव चली

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों का ध्यान पाठ की ओर दिलाने के लिए उनसे कुछ चर्चा करें। बच्चों से उनकी नानी के बारे में पूछें। उनकी नानी कहाँ रहती हैं, वे छुट्टियों में उनके घर जाते होंगे, उन्हें वहाँ कैसा लगता है आदि प्रश्नों द्वारा बच्चों का रुझान कविता की ओर दिलाएँ। कविता का सस्वर वाचन करें, बच्चों से भी करवाएँ। कविता से संबंधित प्रश्न पूछें तथा बताएँ –

   - बताएँ कि नाव को नौका तथा नैया भी कहते हैं।

- पूछें, नानी की नाव में क्या-क्या सामान डाले गए थे?
- कविता में आए तुक वाले शब्द बच्चों से पूछें। एक शब्द आप स्वयं बताएँ और दूसरा शब्द बच्चों को बताने के लिए प्रेरित करें।
- मगरमच्छ पानी में रहता है। बच्चों से पानी में रहने वाले जीवों के नाम पूछें और बताएँ।
- मौखिक कौशल में दिए शब्दों का बच्चों से उच्च स्वर में उच्चारण करवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 15)**

पाठ 7: शेर और सियार

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों का ध्यान पाठ की ओर दिलाने के लिए संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। आमतौर पर बच्चे घर में किसी न किसी की नकल उतारते ही रहते हैं। उनसे पूछें कि क्या तुम अपने घर के सदस्य या किसी अन्य की नकल उतारते हो। उन्हें समझाएँ कि किसी की आदतों या चाल-ढाल की हलकी-फुलकी नकल उतारना मनोरंजन हो सकता है परंतु बड़े जो काम करते हैं, जैसे–बिजली के उपकरण लगाना–चलाना, मम्मी द्वारा सब्ज़ी काटना आदि कामों की देखा-देखी बच्चों को नहीं करनी चाहिए।

   बच्चों को बताएँ कि तुमने नकलची बंदर की कहानी तो सुनी होगी, अब हम जो कहानी पढ़ेंगे वह एक नकलची सियार के बारे में है। पाठ का मुखर वाचन करें। बच्चों को ध्यान से सुनने को कहें। बच्चों से पूछें –

   - उन्हें यह कहानी कैसी लगी?
   - क्या इस तरह किसी की नकल करके हम उसके जैसा बन सकते हैं?
   - समझाएँ, हमें सोच-समझकर काम करना चाहिए। जल्दबाज़ी में कोई काम नहीं करना चाहिए।
   - मौखिक कौशल में दिए शब्द बच्चों से उच्च स्वर में पढ़ने को कहें। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दीजिए।
   - बच्चे मात्राओं को पहचानकर मिला-मिलाकर पढ़ते हैं अत: उन्हें समय दें तथा पाठ का मौन वाचन करने के लिए प्रेरित करें।
   - अभ्यास करने में बच्चों की सहायता कीजिए। मौखिक प्रश्नों के उत्तर देने के लिए प्रत्येक बच्चे को प्रेरित कीजिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 15)**

पाठ 8: बालक का साहस

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि वल्लभभाई पटेल प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उनके दृढ़-निश्चयी व्यक्तित्व तथा कभी हार न मानने वाले स्वभाव के कारण उन्हें 'लौह पुरुष' कहा जाने लगा। पाठ का वाचन करें।

   - बताएँ, विद्यालय या स्कूल को ही पाठशाला कहते हैं।
   - समझाएँ कि किसी की सहायता करना अच्छी बात होती है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 17)**

पाठ 9: दोस्ती का हाथ

1. **अध्यापन संकेत:** डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 18)**

पाठ 10: रानी बिटिया

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता की दोहराई करवाएँ। कविता में आए शहरों के बारे में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि दिल्ली भारत की राजधानी है। चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। जयपुर राजस्थान राज्य की राजधानी है तथा रामेश्वर तमिलनाडु का एक दर्शनीय स्थल है।

   बच्चों से पूछें –

   - उन्हें घूमना-फिरना कैसा लगता है?
   - कविता में तिरंगा झंडा दिया गया है। उन्हें बताएँ, भारत के राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग होते हैं–ऊपर केसरिया, बीच में सफ़ेद तथा नीचे हरा रंग होता है। सफ़ेद पट्टी या झंडे के बीचोंबीच एक चक्र होता है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। बच्चों को इन रंगों का तथा चक्र का महत्व बताएँ। साथ ही, रंग किस बात का प्रतीक हैं, यह भी संक्षिप्त रूप में बता सकते हैं। अभ्यास में दिए गए मौखिक कौशल के शब्दों का बच्चों से उच्च स्वर में उच्चारण करवाएँ। बच्चों को प्रश्नों के उत्तर बताने के लिए प्रेरित करें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 18)**

पाठ 11: पछतावा

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों का रुझान पाठ की ओर दिलाने के लिए पाठ की पृष्ठभूमि से संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें –

   - क्या तुम्हें भी हर काम की जल्दी लगी रहती है?
   - समझाएँ, जल्दबाजी में किए काम का परिणाम अच्छा नहीं होता।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 20)**

पाठ 12: ऐसे थे विद्यासागर

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों को ईश्वरचंद्र विद्यासागर के बारे में बताएँ। बच्चों को समझाएँ

   - किसी की मदद करना अच्छी बात होती है।
   - माता-पिता तथा बड़ों की बात माननी चाहिए।
   - मन लगाकर अपना काम करना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 21)**

पाठ 13: रहो स्वच्छ

1. **अध्यापन संकेत:** डिजीडिस्क (क्पहपक्पेब) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 21)**

पाठ 14: कौन सिखाता है

1. **अध्यापन संकेत:** कविता वाचन से पूर्व बच्चों से पूछें कि उन्होंने चिड़िया को तो देखा होगा। चिड़िया कैसी आवाज़ करती है और कैसे चलती है, बच्चों से जानें। उन्हें कुछ और पशु-पक्षियों की आवाज़ों के बारे में बताएँ। जैसे – कबूतर-गुटरगूँ, कोयल – कुहू-कुहू, कौआ – काँव-काँव, मोर – पिऊ-पिऊ तथा मेंढक – टर्र-टर्र की आवाज़ करते हैं।

   कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से पूछें –

   - उन्हें कविता कैसी लगी?
   - क्या उन्होंने कभी चिड़िया का घोंसला देखा है? यदि नहीं तो उन्हें बताएँ कि चिड़िया बहुत मेहनती होती है। वह एक-एक तिनका जोड़-जोड़कर अपना घोंसला बनाती है।
   - कविता में आए कठिन शब्दों को उच्चारण के साथ श्यामपट्ट पर लिखें तथा बच्चों को उनके अर्थ समझाएँ।
   - मौखिक कौशल में दिए शब्दों का बच्चों से उच्च स्वर में उच्चारण करवाएँ। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। अपने समक्ष अभ्यास करवाएँ। प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 22)**

पाठ 15: मूषक सेठ

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का वाचन करने से पूर्व बच्चों को पाठ से जोड़ने के उद्देश्य से छोटी-सी पृष्ठभूमि तैयार करें। उन्हें समझाएँ कि हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। निरंतर प्रयास करते रहने से एक न एक दिन सफलता मिल ही जाती है।

   - बच्चों को छोटी से छोटी वस्तु का मोल समझाएँ।
   - बच्चों से पूछें, चूहा बिल्ली से डरता है और बिल्ली किससे डरती है?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 23)**

पाठ 16: भारत-दर्शन – आगरा की सैर

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का वाचन करें। बच्चों को पत्रों के बारे में बताएँ। पूर्व के कालों में संदेश किस तरह से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाए जाते थे, इस बारे में संक्षिप्त जानकारी दें। बच्चों को दुनिया के सात अजूबों के बारे में बताएँ। ताजमहल इन सात अजूबों में से एक है। यह भारतवर्ष के लिए गौरव की बात है। पाठ में आए कठिन शब्दों को उच्चारण के साथ श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनके अर्थ भी बताएँ।

   बच्चों से पूछें –

   - क्या तुम कभी ताजमहल देखने गए हो? यह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था।
   - उन्हें बताएँ, ताजमहल सफ़ेद संगमरमर से बनाया गया है। देश-विदेश से लोग इसे देखने आते हैं।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 24)**

पाठ 17: चूहे की दिल्ली-यात्रा

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 25)**